अत्यंत गोपनीय केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

अंक-योजना

विषय हिंदी (ऐच्छिक)

कक्षा - बारहवीं

विषय कोड संख्या -523

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।
2. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उतरों को समझे, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए।
3. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं। ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं। यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए।
4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उतर पर गलत का (×) मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए।
5. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायी ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायाँ और के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उन्हें ही स्वीकार करे, उन्हीं पर अंक है।
8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
10. ये सुनिश्चित करें कि उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण के अंकों के साथ मिलान हो।
11. आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग जाँच लें।

Download from www.MsEducationTv.com

12.उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13.उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

उपर्युक्त मूल्यांकन निर्देश उत्तर-पुस्तिकाओं की जाँच हेतु आदेश नहीं अपितु केवल निर्देश हैं। यदि इन मूल्यांकन निर्देशों में किसी प्रकार की त्रुटि हो, किसी प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, अंक योजना में दिए गए उत्तर से अतिरिक्त कोई और भी उत्तर सही हो, तो परीक्षक अपने विवेकानुसार उस प्रश्न का मूल्यांकन करे।

अंक-योजना

विषय हिंदी (ऐच्छिक)

विषय कोड संख्या -523

कक्षा : बारहवीं　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　अधिकतम अंक 80

सामान्य निर्देश :-

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकनको अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
2. वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है बल्कि ये सुझावात्मक एवम् सांकेतिक हैं।
3. यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न , किन्तु उपयुक्त उत्तर है, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
4. मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	प्रश्न उपभाग	उत्तर संकेत/ मुख्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
1			1x5=5
	I. II. III. IV. V. .	(ख) दोनों पक्षों को बोलना (ग) उसके हाव-भाव से (क) संबंध बिगड़ने का (क) सुनने में (घ) धन और दरिया से सुनना	1 1 1 1 1
2			1x5=5
	I. II.	(ग) मशीनी संस्कृति (क) प्रेम के बल पर शुष्क हृदय में भाव भरे जा सकते हैं	1 1

Download from www.MsEducationTv.com

	III IV V	(ख) आशा का संचार करें (घ) जब जब मस्तिक जयी होता संसार ज्ञान से चलता है (ग) रूपक अलंकार	1 1 1
3			1x 10=10
	I. II. III. IV. V. VI. VII. VIII. IX. X. .	(क)चौधरी साहब (क) बालक कौन सी मिठाई मांग बैठे (क) गंगा की (ग) विस्थापन की समस्या (ख) लघु कथाएं (क) प्रतीकात्मक और व्यंगात्मक (क) सेवाग्राम (ख) संदेश वाहक (घ) अपना उधार वापस लेने के लिए (ख) राजा जनक से	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
4			1x5=5
	I. II. III IV V	(ग) निबंध (क) सुख-दुख (ख) राजा जनक से (क) गिड़गिड़ाना (ग) स्वार्थ वृति का	1 1 1 1 1
5			2x2=4
	क	हरगोबिन ने जब बड़ी हवेली में कदम रखा, तो उसे बीते समय में हवेली के ठाट-बाट की याद हो आई। बड़े भैया के रहते हुए इस हवेली की शान ही अलग थी। घर में नौकर-नौकरानियों, लोगों तथा मज़दूरों की भीड़ हर समय रहा करती थी। बड़ी बहुरिया मेंहदी लगे हाथों से ही कई नाइन परिवार की ज़िम्मेदारियाँ उठाया करती थीं।	2
	ख	शेर का मुँह में गए जानवर कभी लोटकर नही आते थे वह मुँह में समाकर मर जाते थे या उनका अस्तित्व नष्ट हो जाता था रोजगार के दप्तर में ऐसी स्थिति नही होती थी यहाँ पर लोग नोकरी पाने की आशा में जाते थे वे यहाँ के चक्कर लगाते हुए थक जाते थे ।	2
	ग	सभव एक नोजवान है इससे पहले किसी लडकी ने उसके दिल में दस्तक नही दी है अचानक पारो से मुलाकात होने पर किसी लडकी के प्रति प्रेम की भावना जागरूक हुई है पारो को जब उसने गुलाबी साडी में पूरी भीगी हुई देखा था वह देखता रह	

Download from www.MsEducationTv.com

		जाता था उसका सोदर्य अनुपम है उसने उसके कोमल मन में हलचल मचा दी थी ।	2
6			1x10=10
	I.	(ख) पश्चिमी सागर में	1
	II.	(क) शब्दों के माध्यम से	1
	III.	(क) स्कंद गुप्त नाटक का	1
	IV.	(ख) जयशंकर प्रसाद	1
	V.	(ग) अपने नानी के घर में	1
	VI.	(क) आदमी को	1
	VII.	(ग) वह धीरे-धीरे और एक रो में काम करते हैं	1
	VIII.	(ग) लड्डू	1
	IX.	(ख) सिखाया हुआ उत्तर दे रहा था	1
	X. .	(घ) यह सभी विकल्प	1
7			6x1=6
		प्रसंग -कार्नेलिया के गीत (जयशंकर प्रसाद) व्याख्या काव्य सौन्दर्य मानवीकरण , उत्प्रेक्षा , रूपकअलंकार शांत रस अथवा प्रसंग। यह दीप अकेला (सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय) व्याख्या काव्य सौंदर्य। हठीला विशेषण लक्षणा शब्द शक्ति दीप प्रतीक रूपक अलंकार	1 3 2
8		**किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	2x2=4
		क)प्रियतम कृष्ण उस विरहिणी नायिका का मन अपने साथ हरण करके ले गए। वह सखी से कहती है कि मेरे दुःख को मेरी पीड़ा को भला दूसरा कैसे जान पाएगा, इसे तो वही जान सकता है जिसने मेरे जैसा विरह दुःख झेला हो। इस प्रकार प्रियतमा के दुःख का मूल कारण है प्रियतम का परदेश गमन जिससे उसे विरह दुःख झेलना पड़ रहा है। (ख)भरत अपनी माता द्वारा की गई भयंकर भूल के लिए स्वयं परिताप करते हैं। वे इस दुखद स्थिति के लिए स्वयं को दोषी ठहराते हैं। वे माता को दोषी और स्वयं को साधु के रूप में नहीं दर्शाना चाहते। वे इस स्थिति को अपने पापों का परिणाम बताते हैं। वह अपने माता के प्रति कटु वचनों के लिए भी पछताते हैं और कहते हैं कि मैंने उनको कटु वचन कहकर व्यर्थ ही जलाया। इस प्रकार भरत का आत्म परिताप दोहरा है। वह अपने स्वामी राम के समक्ष भी अपना परिताप करते हैं और माता कैकेयी के प्रति कहे गए कटु वचनों के लिए भी परिताप करते	2 2 2

Download from www.MsEducationTv.com

		हैं। वे कहते हैं कि मैं ही सब अनर्थों का मूल हूँ। वे तो इतना दारुण दुःख झेलकर स्वयं के जीवित रह जाने पर भी हैरानी प्रकट करते हैं। भरत का यह आत्म परिताप उनके हृदय की पवित्रता तथा बड़े भाई के प्रति अथाह प्रेम एवं श्रद्धा के उज्ज्वल पक्ष की ओर संकेत करता है। । (ग)ऋतुओं का सौंदर्य तथा उसमें हो रहे बदलावों से मनुष्य परिचित ही नहीं है। कवि के लिए यही चिंता का विषय है। प्रकृति जो कभी उसकी सहचरी थी, आज वह उससे कोसों दूर चला गया है। मनुष्य के पास अत्यानुधिक सुख-सुविधाओं युक्त साधन हैं परन्तु प्रकृति के सौंदर्य को देखने और उसे महसूस करने की संवेदना ही शेष नहीं बची है।।	
9		**अंतराल भाग -2 के आधार किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	2x3=6
		(क) भैरों को सूरदास का यह करना अपना अपमान लगा। उसी दिन से उसने सूरदास से बदला लेने की ठान ली। वह सूरदास को सबक सिखाना चाहता था। जिस घर के दम पर उसने सुभागी को साथ रखा था, उसने उसी को जला दिया (ख) कोइयाँ जल में उत्पन्न होने वाला पुष्प है। इसे ‘कुमुद’ तथा ‘कोका-बेली’ के नामों से भी जाना जाता है। • इसकी विशेषताएँ इस प्रकार हैं- 1. कोइयाँ पानी से भरे गड्ढे में भी सरलता से पनप जाती है। 2. यह भारत में अधिकतर स्थानों में पाई जाती है। 3. इसकी खुशबू मन को प्रिय लगने वाली होती है। 4. शरद ऋतु की चाँदनी में तालाबों में चाँदनी की जो छाया बनती है, वह कोइयों की पत्तियों के समान लगती है। दोनों एक समान लगती हैं। **(ग)** महीप जान गया था कि रूप सिंह रिश्ते में उसका चाचा है। रूप ने रास्ते में कई बार भूपसिंह और शैला के बारे में बात की थी। वह कुछ-कुछ समझ गया था कि रूप सिंह कौन है? वह उसे अपने विषय में बताना नहीं चाहता था और न ही अपने विषय में कोई बात करना चाहता था। अतः जब भी रूप सिंह महीप से उसके विषय में कुछ पूछता था, तो वह बात को टाल देता था। वह अपने माँ के साथ हुए अन्याय को बताना नहीं चाहता था। उसकी माँ ने अपने पति द्वारा दूसरी स्त्री घर में लाने के कारण आत्महत्या कर ली थी। इससे वह दुखी था। उसने इसी कारण अपना घर छोड़ दिया था। । **(घ)** विद्यार्थी विवेक के आधार पर उत्तर दें।	2 2 2 2
10	क		1x4=4
		I. मुद्रण माध्यम I. क्या, किसके (या कौन), कहाँ, कब, क्यों और कैसे	1 1

Download from www.MsEducationTv.com

		III. - एंकर बाइट यानी कथन, जब घटना के साथ उसकी पुष्टी के लिए किसी प्रत्यक्ष दर्शी अथवा अन्य संबंधित व्यक्ति का कथन सुनाया जाता है तो उसे एंकर बाइट कहते हैं। IV. वह पत्रकारिता जिसमें कम्प्यूटर और इंटरनेट के ज़रिये उनकी नेटवर्किंग का उपयोग किया जाता हो .	1 1
	ख		3x 2=6
		(i) नाट्य रूपांतरण करते समय कहानी के पात्रों की दृश्यात्मकता का नाटक के पात्रों से मेल होना चाहिए। (ii) पात्रों की भावभंगिमाओं तथा उनके व्यवहार का भी उचित ध्यान रखना चाहिए। (iii) पात्र घटनाओं के अनुरूप मनोभावों को प्रस्तुत करने वाले होने चाहिए। (iv) पात्र अभिनय के अनुरूप होने चाहिए। ।। बीट रिपोर्टिंग - अपने बीट में जो कुछ दिखता है, जिस में कोई खबर है, वह देना बीट रिपोर्टिंग। आम तौर पर यह सर्वसाधारण खबरें होती है, जो कई समाचारपत्रों में प्रकाशित हुई दिखती है। विशेषीकृत रिपोर्टिंग स्पष्ट करता है कि, इस रिपोर्ट के लिए पत्रकार ने कुछ ज़्यादा मेहनत और अभ्यास किया हो। वह उसकी विशेष खबर होती है।	3 3
	ग	जिस विषय पर लिखना है लेखक को उसकी संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए। विषय पर लिखने से पहले लेखक को अपने मस्तिष्क में उसकी एक उचित रूपरेखा बना लेनी चाहिए। विषय से जुड़े तथ्यों से उचित तालमेल होना चाहिए। विचार विषय से सुसम्बद्ध तथा संगत होने चाहिए। अप्रत्याशित विषयों के लेखन में 'मैं शैली का प्रयोग करना चाहिए। अप्रत्याशित विषयों पर लिखते समय लेखक को विषय से हटकर अपनी विद्वता को प्रकट नहीं करना चाहिए। **अथवा** भारतीय काव्य शास्त्र के अनुसार दृश्य-श्रव्य काव्य के छह मुख्य तत्त्व माने गए हैं-1. वस्तु अथवा कथावस्तु 2. चरित्र चित्रण 3.कथोपकथन-संवाद 4.देशकाल 5. भाषा शैली 6. उद्देश्य। व्याख्या बच्चा स्वयं करें।	5x1=5
11			2x 5=10

Download from www.MsEducationTv.com

	(क)सनातन धर्म- जो उपकार करें उसका प्रत्युपकार अवश्य करना चाहिए यही सनातन व पुरातन धर्म है अर्थात उपकार मानव जीवन में श्रेष्ठ कर्म है। (ख)हेमू ने इब्राहिम खान, मोहम्मद खान, ताज कर्रानी ,रुखरवान नूरानी आदि अनेक अफगान विद्रोहियों की बगावत को कुछ गल करके आदिल के राजा की सुरक्षा की (ग)अस्वच्छता से निम्नलिखित हानियाँ हैं - 1. अस्वच्छ व्यक्ति के आस-पास कोई नहीं रहना चाहता। 2. वह दूसरों की नजरों से गिर जाता है तथा रोगग्रस्त होकर अपने जीवन की गति को शिथिल (धीमा) कर देता है। 3. अस्वच्छता से पर्यावरण प्रदूषित होने से अनेक प्रकार की बीमारियाँ जन्म लेतीं हैं। (घ)वल्लभ भाई पटेल जी के जीवन से हम क्या सीख सकते है? साधारण से साधारण इंसान भी चाहे तो मेहनत, शिक्षा, ईमानदारी से अपने लिए एक मुक़ाम हासिल कर सकता है और पक्के निश्चय से विलोम परिस्थितियों को क़ाबू कर सकता है जैसा कि सरदार पटेल ने किया जब देश आज़ाद हुआ था (ङ)गीता से हमें यह ज्ञान मिलता है कि व्यक्ति को केवल अपने काम और कर्म पर ध्यान देना चाहिए. साथ ही कर्म करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हम जो भी कर्म कर रहे हैं, उसका फल भी हमें निश्चित ही प्राप्त होगा .	2 2 2 2 2

Download from www.MsEducationTv.com

Download from www.MsEducationTv.com